चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भारत देश हमारा	30.06.2021	--	--

सीमित संसाधनों के साथ अधिक उत्पादन के लिए आधुनिक तकनीकों का सहारा जरूरी : प्रो. बी.आर

हिसार, 29 जून (मनमोहन शर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर काम्बोज ने कहा कि सीमित संसाधनों के साथ फसलों से अधिक उत्पादन हासिल करना एक चुनौती बन गया है। इसके अलावा लगातार भूमिगत जल स्तर भी घट रहा है। इसके लिए किसानों को आधुनिक तकनीकों का सहारा लेना पड़ेगा। ये विचार उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र कुरुक्षेत्र में खेती में जल संरक्षण विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि लगातार कृषि योग्य भूमि कम होती जा रही है और निरंतर मौसम में परिवर्तन हो रहे हैं। इसके अलावा आधुनिक तकनीकों की जानकारी व मौसम संबंधी पूर्वानुमान भी किसानों तक सही तरीके से नहीं पहुंच पा रहे हैं। इसलिए फसलों से उचित पैदावार हासिल करने के लिए किसानों को काफी मेहनत करनी पड़ती है। उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों से कहा कि वे विश्वविद्यालय का आइना होते हैं और किसानों तक विश्वविद्यालय की आधुनिक तकनीकों व उन्नत किस्मों की जानकारी पहुंचाना उनका नैतिक फर्ज बनता है। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे ज्यादा से ज्यादा किसानों को कृषि विज्ञान केंद्रों व विश्वविद्यालय के साथ जोड़कर उन्हें नवीनतम जानकारियों से अवगत कराएं। साथ ही समय-समय पर किसानों के लिए जागरूकता शिविर आयोजित कर उन्हें फसलों की समय पर बिजाई, कटाई व कढ़ाई की जानकारी दें। इस दौरान उन्होंने केंद्र में पौधारोपण भी किया। इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक, आसपास गांवों के किसानों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। इसके अलावा कुलपति ने कृषि महाविद्यालय कौल का भी दौरा किया और वहां के वैज्ञानिकों से रूबरू होते हुए कालेज की गतिविधियों का जायजा लिया। उन्होंने ऑनलाइन परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया और कॉलेज के सौंदर्यकरण व तकनीकी नवाचार पर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी.एस. पंवार, डॉ. आर.एस. गढ़वाल, डॉ. मानेंद्र सिंह भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पौधारोपण करते हुए कुलपति प्रोफेसर बी.आर काम्बोज।

समय-समय पर किसानों के लिए जारी करें वैज्ञानिक सलाह : कुलपति ने कहा कि वैज्ञानिक समय-समय पर वैज्ञानिक सलाह भी किसानों के लिए जारी करते रहें ताकि किसान अपनी फसल की सही से देखभाल कर सके। प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने किसानों से भी आह्वान किया कि वे बीमारियों की रोकथाम के लिए विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश किए गए कीटनाशकों का ही प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण समय की मांग है और इसके लिए किसान राज्य सरकार की योजना मेरा पानी मेरी विरासत का लाभ उठा रहे हैं। साथ ही उन्होंने किसानों से धान की सीधी बिजाई करने का भी आह्वान किया। उन्होंने किसानों को धान की सीधी बिजाई के बाद फसल में आने वाले खरपतवारों से निपटने के लिए समय-समय पर वैज्ञानिकों से सलाह लेकर खरपतवारनाशी के प्रयोग की सलाह दी। कृषि विज्ञान केंद्र के इंचार्ज डॉ. प्रद्युमन भट्टनागर ने कुलपति का स्वागत करते हुए केंद्र में चल रहे अनुसंधान कार्यों की जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	30.06.2021	--	--

सीमित संसाधनों के साथ अधिक उत्पादन हेतु आधुनिक तकनीकों का सहारा ज़रूरी : प्रो. काम्बोज

हिसार, 29 जून (देवानंद) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि सीमित संसाधनों के साथ फसलों से अधिक उत्पादन हासिल करना एक चुनौती बन गया है। इसके अलावा लगातार भूमिगत जल स्तर भी घट रहा है। इसके लिए किसानों को आधुनिक तकनीकों का सहारा लेना पड़ेगा। ये विचार उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र कुरुक्षेत्र में खेती में जल संरक्षण विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि लगातार कृषि योग्य भूमि कम होती जा रही है और निरंतर मौसम में परिवर्तन हो रहे हैं। इसके अलावा आधुनिक तकनीकों की जानकारी व मौसम संबंधी पूर्वानुमान भी किसानों तक सही तरीके से नहीं पहुंच पा रहे हैं। इसलिए फसलों से उचित पैदावार हासिल करने के लिए किसानों को काफी मेहनत करनी पड़ती है। उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों से कहा कि ये विश्वविद्यालय का अंग होते हैं और किसानों तक विश्वविद्यालय की आधुनिक तकनीकों व उन्नत किस्मों की जानकारी पहुंचाना उनका नैतिक फर्ज बनता है। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे ज्यादा से ज्यादा किसानों को कृषि विज्ञान केंद्रों व विश्वविद्यालय के साथ जोड़कर उन्हें नवीनतम जानकारियों से अवगत कराएं। साथ ही समय-समय पर किसानों के लिए जागरूकता शिविर आयोजित कर उन्हें फसलों की समय पर बिजाई, कटाई व कढ़ाई की जानकारी दें। इस दौरान उन्होंने केंद्र में पौधारोपण भी किया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज सम्बोधित करते हुए।

जल संरक्षण विषय पर आयोजित कार्यक्रम में बोले कुलपति

समय-समय पर किसानों के लिए जारी करें वैज्ञानिक सलाह : कुलपति ने कहा कि वैज्ञानिक समय-समय पर वैज्ञानिक सलाह भी किसानों के लिए जारी करते रहें ताकि किसान अपनी फसल की सही से देखभाल कर सकें। प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने किसानों से भी आह्वान किया कि वे बीमारियों की रोकथाम के लिए विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश किए गए कीटनाशकों का ही प्रयोग करें। कृषि विज्ञान केंद्र के इंचार्ज डॉ. प्रद्युमन भट्नागर ने कुलपति का स्वागत करते हुए केंद्र में चल रहे अनुसंधान कार्यों की जानकारी दी। इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक, आसपास गांवों के किसानों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। इसके अलावा कुलपति ने कृषि महाविद्यालय कौल का भी दौरा किया और वहां के वैज्ञानिकों से रूबरू हुए। उन्होंने ऑनलाइन परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया और कॉलेज के सौंदर्यीकरण व तकनीकी नवाचार पर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी.एस. पंवार, डॉ. आर.एस. गढ़वाल, डॉ. मानिंद सिंह भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एचआर ब्रेकिंग	30.06.2021	--	--

सीमित संसाधनों के साथ अधिक उत्पादन के लिए आधुनिक तकनीकों का सहारा जरूरी : बी.आर. काम्बोज

जल संरक्षण विषय पर आयोजित कार्यक्रम में बोले कुलपति

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि सीमित संसाधनों के साथ फसलों से अधिक उत्पादन हासिल करना एक चुनौती बन गया है। इसके अलावा लगातार भूमिगत जल स्तर भी घट रहा है।

इसके लिए किसानों को आधुनिक तकनीकों का सहारा लेना पड़ेगा। वे विचार उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र कुरुक्षेत्र में खेती में जल संरक्षण विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि लगातार कृषि योग्य भूमि कम होती जा रही है और निरंतर मौसम में परिवर्तन हो रहे हैं। इसके अलावा आधुनिक तकनीकों की जानकारी व मौसम संबंधी पूर्वानुमान भी किसानों तक सही तरीके से नहीं पहुंच पा रहे हैं। इसलिए फसलों से उचित पैदावार हासिल करने के लिए किसानों को काफी मेहनत करनी पड़ती है। उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों से कहा कि वे विश्वविद्यालय का आइना होते हैं और किसानों तक विश्वविद्यालय की आधुनिक तकनीकों व उन्नत किस्मों की जानकारी पहुंचाना उनका नैतिक फर्ज बनता है। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे ज्यादा से ज्यादा किसानों को कृषि विज्ञान केंद्रों व विश्वविद्यालय के साथ जोड़कर उन्हें नवीनतम जानकारियों से अवगत कराएं। साथ ही समय-समय पर किसानों के लिए जागरूकता शिविर आयोजित कर उन्हें फसलों की समय पर बिजाई, कटाई व कढ़ाई की जानकारी दें। इस दौरान उन्होंने केंद्र में पौधारोपण भी किया।

कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज।

समय-समय पर किसानों के लिए जारी करें वैज्ञानिक सलाह : कुलपति ने कहा कि वैज्ञानिक समय-समय पर वैज्ञानिक सलाह भी किसानों के लिए जारी करते रहें ताकि किसान अपनी फसल की सही से देखभाल कर सकें। प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने किसानों से भी आह्वान किया कि वे बीमारियों की रोकथाम के लिए विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश किए गए कीटनाशकों का ही प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण समय की मांग है और इसके लिए किसान राज्य सरकार की योजना मेरा पानी मेरी विरासत का लाभ उठा रहे हैं। साथ ही उन्होंने किसानों से धान की सीधी बिजाई करने का भी आह्वान किया। उन्होंने किसानों को धान की सीधी बिजाई के बाद फसल में आने वाले खरपतवारों के नियंत्रण के लिए समय-समय पर वैज्ञानिकों से सलाह लेकर खरपतवारनाशी के प्रयोग की सलाह दी। कृषि विज्ञान केंद्र के इंचार्ज डॉ. प्रद्युम्न भटनागर ने कुलपति का स्वागत करते हुए केंद्र में चल रहे अनुसंधान कार्यों की जानकारी दी। इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक, आसपास गांवों के किसानों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। इसके अलावा कुलपति ने कृषि महाविद्यालय कौल का भी दौरा किया और वहां के वैज्ञानिकों से बातचीत करते हुए कॉलेज की गतिविधियों का जायजा लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	30.06.2021	--	--

सीमित संसाधनों के साथ अधिक उत्पादन के लिए आधुनिक तकनीकों का सहारा जरूरी : प्रो. काम्बोज

पांच बजे न्यूज

जल संरक्षण विषय पर आयोजित कार्यक्रम में बोले एचएयू कुलपति

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	30.06.2021	--	--

सीमित संसाधनों के साथ अधिक उत्पादन के लिए आधुनिक तकनीकों का सहारा जरूरी : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि सीमित संसाधनों के साथ फसलों से अधिक उत्पादन हासिल करना एक चुनौती बन गया है। इसके अलावा लगातार भूमिगत जल स्तर भी घट रहा है। इसके लिए किसानों को आधुनिक तकनीकों का सहारा लेना पड़ेगा। ये विचार उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र कुरूक्षेत्र में खेती में जल संरक्षण विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि लगातार कृषि योग्य भूमि कम होती जा रही है और निरंतर मौसम में परिवर्तन हो रहे हैं। इसके अलावा आधुनिक तकनीकों की जानकारी व मौसम संबंधी पूर्वानुमान भी किसानों तक सही तरीके से नहीं पहुंच पा रहे हैं। इसलिए फसलों से उचित पैदावार हासिल करने के लिए किसानों को काफी मेहनत करनी पड़ती है। उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों से कहा कि वे विश्वविद्यालय का आइना होते हैं और किसानों तक विश्वविद्यालय की आधुनिक तकनीकों व उन्नत किस्मों की जानकारी पहुंचाना उनका नैतिक फर्ज बनता है। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे ज्यादा से ज्यादा किसानों को कृषि विज्ञान केंद्रों व विश्वविद्यालय के साथ जोड़कर उन्हें नवीनतम जानकारियों से अवगत कराएं। साथ ही समय-समय पर किसानों के लिए जागरूकता शिविर आयोजित कर उन्हें फसलों की समय पर बिजाई, कटाई व कढ़ाई की जानकारी दें। इस दौरान उन्होंने केंद्र में पौधारोपण भी किया।

समय-समय पर किसानों के लिए जारी करें वैज्ञानिक सलाह

जल संरक्षण विषय पर आयोजित कार्यक्रम में बोले कुलपति

कुलपति ने कहा कि वैज्ञानिक समय-समय पर वैज्ञानिक सलाह भी किसानों के लिए जारी करते रहें ताकि किसान अपनी फसल की सही से देखभाल कर सके। प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने किसानों से भी आह्वान किया कि वे बीमारियों की रोकथाम के लिए विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश किए गए कीटनाशकों का ही प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण समय की मांग है और इसके लिए किसान राज्य सरकार की योजना मेरा पानी मेरी विरासत का लाभ उठा रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	29.06.2021	--	--

सीमित संसाधनों के साथ फसलों से अधिक उत्पादन हासिल करना एक चुनौती : कुलपति

हिसार/29 जून/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कहा कि सीमित संसाधनों के साथ फसलों से अधिक उत्पादन हासिल करना एक चुनौती बन गया है। इसके अलावा लगातार भूमिगत जल स्तर भी घट रहा है। इसके लिए किसानों को आधुनिक तकनीकों का सहारा लेना पड़ेगा। ये विचार उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र कुरूक्षेत्र में खेती में जल संरक्षण विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि लगातार कृषि योग्य भूमि कम होती जा रही है और निरंतर मौसम में परिवर्तन हो रहे हैं। इसके अलावा आधुनिक तकनीकों की जानकारी व मौसम संबंधी पूर्वानुमान भी किसानों तक सही तरीके से नहीं पहुंच पा रहे हैं। इसलिए फसलों से उचित पैदावार हासिल करने के लिए किसानों को काफी मेहनत करनी पड़ती है। उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों से कहा कि वे विश्वविद्यालय का आइना होते हैं और किसानों तक विश्वविद्यालय की आधुनिक तकनीकों व उन्नत किस्मों की जानकारी पहुंचाना उनका नैतिक फर्ज बनता है। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे ज्यादा से ज्यादा किसानों को कृषि विज्ञान केंद्रों व विश्वविद्यालय के साथ जोड़कर उन्हें नवीनतम जानकारियों से अवगत कराएं। साथ ही समय-समय पर किसानों के लिए जागरूकता शिविर आयोजित कर उन्हें फसलों की समय पर बिजाई, कटाई व कढ़ाई की जानकारी दें। इस दौरान उन्होंने केंद्र में पौधारोपण भी किया। कुलपति ने कहा कि वैज्ञानिक समय-समय पर सलाह भी किसानों के लिए जारी करते रहें ताकि किसान अपनी फसल की सही से देखभाल कर सकें। प्रोफेसर काम्बोज ने किसानों से भी आह्वान किया कि वे बीमारियों की रोकथाम के लिए विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश किए गए कीटनाशकों का ही प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण समय की मांग है और इसके लिए किसान राज्य सरकार की योजना मेरा पानी मेरी विरासत का लाभ उठा रहे हैं। साथ ही उन्होंने किसानों से धान की सीधी बिजाई करने का भी आह्वान किया। उन्होंने किसानों को धान की सीधी बिजाई के बाद फसल में आने वाले खरपतवारों से निपटने के लिए समय-समय पर वैज्ञानिकों से सलाह लेकर खरपतवारनाशी के प्रयोग की सलाह दी। कृषि विज्ञान केंद्र के इंचार्ज डॉ. प्रद्युमन भट्टनागर ने कुलपति का स्वागत करते हुए केंद्र में चल रहे अनुसंधान कार्यों की जानकारी दी। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पीएस पंवार, डॉ. आरएस गढवाल, डॉ. मानेंद्र सिंह भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	29.06.2021	--	--

सीमित संसाधनों से अधिक फसल उत्पादन हासिल करना एक चुनौती : प्रो. काम्बोज

कुलपति बोले, अधिक उत्पादन के लिए आधुनिक तकनीकों का सहारा जरूरी

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि सीमित संसाधनों के साथ फसलों से अधिक उत्पादन हासिल करना एक चुनौती बन गया है। इसके अलावा लगातार भूमिगत जल स्तर भी घट रहा है। इसके लिए किसानों को आधुनिक तकनीकों का सहारा लेना पड़ेगा। ये विचार उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र कुरुक्षेत्र में खेती में जल संरक्षण विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि लगातार कृषि योग्य भूमि कम होती जा रही है और निरंतर मौसम में परिवर्तन हो रहे हैं। इसके अलावा आधुनिक तकनीकों की जानकारी व मौसम संबंधी पूर्वानुमान भी किसानों तक सही तरीके से नहीं पहुंच पा रहे हैं। इसलिए फसलों से उचित पैदावार हासिल करने के लिए किसानों को काफी मेहनत करनी पड़ती है। उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों से कहा कि वे विश्वविद्यालय का आइना होते हैं और किसानों तक विश्वविद्यालय की आधुनिक तकनीकों व उन्नत किस्मों की जानकारी पहुंचाना उनका नैतिक फर्ज बनता है। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे ज्यादा से ज्यादा किसानों को कृषि विज्ञान केंद्रों व विश्वविद्यालय के साथ जोड़ कर उन्हें नवीनतम जानकारियों से अवगत कराएं। साथ ही समय-समय पर किसानों के लिए जागरूकता शिविर आयोजित कर उन्हें फसलों की समय पर बिजाई, कटाई व कढ़ाई की जानकारी दें। इस दौरान उन्होंने केंद्र में पौधारोपण भी किया।

कुलपति ने कहा कि वैज्ञानिक समय-समय पर वैज्ञानिक सलाह भी किसानों के लिए जारी करते रहें ताकि किसान अपनी फसल की सही से देखभाल कर सके। प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने किसानों से भी आह्वान किया कि वे बीमारियों की रोकथाम के लिए विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश किए गए कीटनाशकों का ही प्रयोग करें।

कृषि विज्ञान केंद्र के इंचार्ज डॉ. प्रद्युमन भट्टवानर ने कुलपति का स्वागत करते हुए केंद्र में चल रहे अनुसंधान कार्यों की जानकारी दी। इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक, आसपास गांवों के किसानों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी.एस. पंवार, डॉ. आर.एस. गहलावत, डॉ. मानेंद्र सिंह भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज	30.06.2021	--	--

अधिक उत्पादन के लिए आधुनिक तकनीकों का सहारा जरूरी : प्रो.काम्बोज

पल पल न्यूज: हिसार, 29 जून। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कहा कि सीमित संसाधनों के साथ फसलों से अधिक उत्पादन हासिल करना एक चुनौती बन गया है। इसके अलावा लगातार भूमिगत जल स्तर भी घट रहा है। इसके लिए किसानों को आधुनिक तकनीकों का सहारा लेना पड़ेगा। ये विचार उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र कुरुक्षेत्र में खेती में जल संरक्षण विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि लगातार कृषि योग्य भूमि कम होती जा रही है और निरंतर मौसम में परिवर्तन हो रहे है। इसके अलावा

आधुनिक तकनीकों की जानकारी व मौसम संबंधी पूर्वानुमान भी किसानों तक सही तरीके से नहीं पहुंच पा रहे है। इसलिए फसलों से उचित पैदावार हासिल करने के लिए किसानों को काफी मेहनत करनी पड़ती है। उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों से कहा कि वे विश्वविद्यालय का आइना होते है और किसानों तक विश्वविद्यालय की आधुनिक तकनीकों व उन्नत किस्मों की जानकारी पहुंचाना उनका नैतिक फर्ज बनता है। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे ज्यादा से ज्यादा किसानों को कृषि विज्ञान केंद्रों व विश्वविद्यालय के साथ जोड़कर उन्हें नवीनतम जानकारियों से अवगत कराएं। साथ ही समय-समय पर किसानों के लिए जागरूकता शिविर आयोजित कर उन्हें फसलों की समय पर बिजाई, कटाई व कढ़ाई की जानकारी दें। इस दौरान उन्होंने केंद्र में पौधारोपण भी किया। कुलपति ने कहा कि वैज्ञानिक समय-समय पर वैज्ञानिक सलाह भी किसानों के लिए जारी करते रहें ताकि किसान अपनी फसल की सही से देखभाल कर सके। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी.एस. पंवार, डॉ. आर.एस. गढ़वाल, डॉ. मानिंद्र सिंह भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जीवन आधार	29.06.2021	--	--

सीमित संसाधनों के साथ अधिक उत्पादन के लिए आधुनिक तकनीकों का सहारा जरूरी : प्रो. कम्बोज

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
भारत सारथी	29.06.2021	--	--

सीमित संसाधनों के साथ अधिक उत्पादन के लिए आधुनिक तकनीकों का सहारा जरूरी : बी.आर. काम्बोज

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	30.06.2021	--	--

सीमित संसाधनों के साथ अधिक उत्पादन हेतु आधुनिक तकनीकों का सहारा ज़रूरी : प्रो. काम्बोज

हिसार, 29 जून (देवानंद) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि सीमित संसाधनों के साथ फसलों से अधिक उत्पादन हासिल करना एक चुनौती बन गया है। इसके अलावा लगातार भूमिगत जल स्तर भी घट रहा है। इसके लिए किसानों को आधुनिक तकनीकों का सहारा लेना पड़ेगा। ये विचार उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र कुरूक्षेत्र में खेती में जल संरक्षण विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि लगातार कृषि योग्य भूमि कम होती जा रही है और निरंतर मौसम में परिवर्तन हो रहे हैं। इसके अलावा आधुनिक तकनीकों की जानकारी व मौसम संबंधी पूर्वानुमान भी किसानों तक सही तरीके से नहीं पहुंच पा रहे हैं। इसलिए फसलों से उचित पैदावार हासिल करने के लिए किसानों को काफी मेहनत करनी पड़ती है। उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों से कहा कि वे विश्वविद्यालय का अहम हिस्सा होते हैं और किसानों तक विश्वविद्यालय की आधुनिक तकनीकों व उन्नत किस्मों की जानकारी पहुंचाना उनका नैतिक फर्ज बनता है। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे ज्यादा से ज्यादा किसानों को कृषि

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज सम्बोधित करते हुए।

विज्ञान केंद्रों व विश्वविद्यालय के साथ जोड़कर उन्हें नवीनतम जानकारियों से अवगत कराएं। साथ ही समय-समय पर किसानों के लिए जागरूकता शिविर आयोजित कर उन्हें फसलों की समय पर बिजाई, कटाई व कढ़ाई की

जल संरक्षण विषय पर आयोजित कार्यक्रम में बोले कुलपति

जानकारी दें। इस दौरान उन्होंने केंद्र में पौधारोपण भी किया।

समय-समय पर किसानों के लिए जारी करें वैज्ञानिक सलाह : कुलपति ने कहा कि वैज्ञानिक समय-समय पर वैज्ञानिक सलाह भी किसानों के लिए जारी करते रहें ताकि किसान अपनी फसल की सही से देखभाल कर सकें। प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने किसानों से भी आह्वान किया कि वे बीमारियों की रोकथाम के लिए विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश किए गए कीटनाशकों का ही प्रयोग करें। कृषि विज्ञान केंद्र के इंचार्ज डॉ. प्रद्युमन भटनागर ने कुलपति का स्वागत करते हुए केंद्र में चल रहे अनुसंधान कार्यों की जानकारी दी। इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक, आसपास गांवों के किसानों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। इसके अलावा कुलपति ने कृषि महाविद्यालय कौल का भी दौरा किया और वहां के वैज्ञानिकों से रूबरू हुए। उन्होंने ऑनलाइन परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया और कॉलेज के सौंदर्यकरण व तकनीकी नवाचार पर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी.एस. पंवार, डॉ. आर.एस. गढ़वाल, डॉ. मानिंद्र सिंह भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एचआर ब्रेकिंग	30.06.2021	--	--

सीमित संसाधनों के साथ अधिक उत्पादन के लिए आधुनिक तकनीकों का सहारा जरूरी : बी.आर. काम्बोज

जल संरक्षण विषय पर आयोजित कार्यक्रम में बोले कुलपति

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज।

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि सीमित संसाधनों के साथ फसलों से अधिक उत्पादन हासिल करना एक चुनौती बन गया है। इसके अलावा लगातार भूमिगत जल स्तर भी घट रहा है।

इसके लिए किसानों को आधुनिक तकनीकों का सहारा लेना पड़ेगा। ये विचार उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र कुरुक्षेत्र में खेती में जल संरक्षण विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि लगातार कृषि योग्य भूमि कम होती जा रही है और निरंतर मौसम में परिवर्तन हो रहे हैं। इसके अलावा आधुनिक तकनीकों की जानकारी व मौसम संबंधी पूर्वानुमान भी किसानों तक सही तरीके से नहीं पहुंच पा रहे हैं। इसलिए फसलों से उचित पैदावार हासिल करने के लिए किसानों को काफी मेहनत करनी पड़ती है। उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों से कहा कि वे विश्वविद्यालय का आइना होते हैं और किसानों तक विश्वविद्यालय की आधुनिक तकनीकों व उन्नत किस्मों की जानकारी पहुंचाना उनका नैतिक फर्ज बनता है। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे ज्यादा से ज्यादा किसानों को कृषि विज्ञान केंद्रों व विश्वविद्यालय के साथ जोड़कर उन्हें नवीनतम जानकारियों से अवगत करवाएं। साथ ही समय-समय पर किसानों के लिए जागरूकता शिविर आयोजित कर उन्हें फसलों की समय पर बिजाई, कटाई व कढ़ाई की जानकारी दें। इस दौरान उन्होंने केंद्र में पौधारोपण भी किया।

समय-समय पर किसानों के लिए जारी करें वैज्ञानिक सलाह : कुलपति ने कहा कि वैज्ञानिक समय-समय पर वैज्ञानिक सलाह भी किसानों के लिए जारी करते रहें ताकि किसान अपनी फसल की सही से देखभाल कर सकें। प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने किसानों से भी आह्वान किया कि वे बीमारियों की रोकथाम के लिए विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश किए गए कीटनाशकों का ही प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण समय की मांग है और इसके लिए किसान राज्य सरकार की योजना मेरा पानी मेरी विरासत का लाभ उठा रहे हैं। साथ ही उन्होंने किसानों से धान की सीधी बिजाई करने का भी आह्वान किया। उन्होंने किसानों को धान की सीधी बिजाई के बाद फसल में आने वाले खरपतवारों से निपटने के लिए समय-समय पर वैज्ञानिकों से सलाह लेकर खरपतवारनाशी के प्रयोग की सलाह दी। कृषि विज्ञान केंद्र के इंचार्ज डॉ. प्रद्युमन भटनागर ने कुलपति का स्वागत करते हुए केंद्र में चल रहे अनुसंधान कार्यों की जानकारी दी। इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक, आसपास गांवों के किसानों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। इसके अलावा कुलपति ने कृषि महाविद्यालय कौल का भी दौरा किया और वहां के वैज्ञानिकों से रूबरू होते हुए कॉलेज की गतिविधियों का जायजा लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिन्दुस्तान समाचार	29.06.2021	--	--

हिसार: सीमित संसाधनों के साथ अधिक उत्पादन के लिए आधुनिक तकनीकों का सहारा जरूरी : प्रो. काम्बोज

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
वेलकम इंडिया	29.06.2021	--	--

सीमित संसाधनों के साथ अधिक उत्पादन के लिए आधुनिक तकनीकों का सहारा जरूरी: काम्बोज

वेलकम इंडिया

हिसार / हांसी। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि सीमित संसाधनों के साथ फसलों से अधिक उत्पादन हासिल करना एक चुनौती बन गया है। इसके अलावा लगातार भूमिगत जल स्तर भी घट रहा है।

इसके लिए किसानों को आधुनिक तकनीकों का सहारा लेना पड़ेगा। ये विचार उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र कुरूक्षेत्र में खेती में जल संरक्षण विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि लगातार कृषि योग्य भूमि कम होती जा रही है और निरंतर मौसम में परिवर्तन हो रहे हैं। इसके अलावा आधुनिक तकनीकों की जानकारी व मौसम संबंधी पूर्वानुमान भी किसानों तक सही तरीके से नहीं पहुंच पा रहे हैं। इसलिए फसलों से उचित पैदावार हासिल करने के लिए किसानों को काफी मेहनत करनी पड़ती है।

उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों से कहा कि वे विश्वविद्यालय का आइना होते हैं और किसानों तक विश्वविद्यालय की आधुनिक तकनीकों व उन्नत किस्मों की जानकारी पहुंचाना उनका नैतिक फर्ज बनता है। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे ज्यादा से ज्यादा किसानों को कृषि विज्ञान केंद्रों व विश्वविद्यालय के साथ जोड़कर उन्हें नवीनतम जानकारियों से अवगत कराएं। साथ ही समय-समय पर किसानों के लिए जागरूकता शिविर आयोजित कर उन्हें फसलों की समय पर बिजाई, कटाई व कढ़ाई की जानकारी दें। इस दौरान उन्होंने केंद्र में पौधारोपण भी किया।

समय-समय पर किसानों के लिए जारी करें वैज्ञानिक सलाह कुलपति ने कहा कि वैज्ञानिक समय-समय पर वैज्ञानिक सलाह भी किसानों के लिए जारी करते रहें ताकि किसान अपनी फसल की सही से देखभाल कर सकें।

प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने किसानों से भी आह्वान किया कि वे बीमारियों की रोकथाम के लिए विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश किए गए कीटनाशकों का ही प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण समय की मांग है और इसके लिए किसान राज्य सरकार की योजना मेरा पानी मेरी विरासत का लाभ उठा रहे हैं। साथ ही उन्होंने किसानों से धान की सीधी बिजाई करने का भी आह्वान किया।

उन्होंने किसानों को धान की सीधी बिजाई के बाद फसल में आने वाले खरपतवारों से निपटने के लिए समय-समय पर वैज्ञानिकों से सलाह लेकर खरपतवारनाशी के प्रयोग की सलाह दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सत्यजय टाइम्स	29.06.2021	--	--

सीमित संसाधनों के साथ अधिक उत्पादन के लिए आधुनिक तकनीकों का सहारा जरूरी : प्रोफेसर

हांसी, 29 जून, सत्यजय टाइम्स/मनमोहन शर्मा। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि सीमित संसाधनों के साथ फसलों से अधिक उत्पादन हासिल करना एक चुनौती बन गया है। इसके अलावा लगातार भूमिगत जल स्तर भी घट रहा है। इसके लिए किसानों को आधुनिक तकनीकों का सहारा लेना पड़ेगा। ये विचार उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र कुरुक्षेत्र में खेती में जल संरक्षण विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि लगातार कृषि योग्य भूमि कम होती जा रही है और निरंतर मौसम में परिवर्तन हो रहे हैं। इसके अलावा आधुनिक तकनीकों की जानकारी व मौसम संबंधी पूर्वानुमान भी किसानों तक सही तरीके से नहीं पहुंच पा रहे हैं। इसलिए फसलों से उचित पैदावार हासिल करने के लिए किसानों को काफी मेहनत करनी पड़ती है। उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों से कहा कि वे विश्वविद्यालय का आइना होते हैं और किसानों तक विश्वविद्यालय की आधुनिक तकनीकों व उन्नत किस्मों की जानकारी पहुंचाना उनका नैतिक फर्ज बनता है। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे ज्यादा से ज्यादा किसानों को कृषि विज्ञान केंद्रों व विश्वविद्यालय के साथ जोड़कर उन्हें नवीनतम जानकारियों से अवगत कराएं। साथ ही समय-समय पर किसानों के लिए जागरूकता शिविर आयोजित कर उन्हें फसलों की समय पर बिजाई, कटाई व कढ़ाई की जानकारी दें। इस दौरान उन्होंने केंद्र में पौधारोपण भी किया। समय-समय पर

किसानों के लिए जारी करें वैज्ञानिक सलाह

कुलपति ने कहा कि वैज्ञानिक समय-समय पर वैज्ञानिक सलाह भी किसानों के लिए जारी करते रहें ताकि किसान अपनी फसल की सही से देखभाल कर सकें। प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने किसानों से भी आह्वान किया कि वे बीमारियों की रोकथाम के लिए विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश किए गए कीटनाशकों का ही प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण समय की मांग है और इसके लिए हरियाणा राज्य सरकार की योजना मेरा पानी मेरी विरासत का लाभ उठा रहे हैं। साथ ही उन्होंने किसानों से धान की सीधी बिजाई करने का भी आह्वान किया। उन्होंने किसानों को धान की सीधी बिजाई के बाद फसल में आने वाले खरपतवारों से निपटने के लिए समय-समय पर वैज्ञानिकों से सलाह लेकर खरपतवारनाशी के प्रयोग की सलाह दी। कृषि विज्ञान केंद्र के इंचार्ज डॉ. प्रद्युम्न भटनागर ने कुलपति का स्वागत करते हुए केंद्र में चल रहे अनुसंधान कार्यों की जानकारी दी। इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक, आसपास गांवों के किसानों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। इसके अलावा कुलपति ने कृषि महाविद्यालय कौल का भी दौरा किया और वहां के वैज्ञानिकों से रूबरू होते हुए कॉलेज की गतिविधियों का जायजा लिया।

उन्होंने ऑनलाइन परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया और कॉलेज के सौंदर्यकरण व तकनीकी नवाचार पर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी.एस. शेखर, डॉ. आर.एस. गढ़वाल, डॉ. महेंद्र सिंह भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समाचार क्यारी	29.06.2021	--	--

सीमित संसाधनों के साथ अधिक उत्पादन के लिए आधुनिक तकनीकों का सहारा जरूरी : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

इसके लिए किसानों को आधुनिक तकनीकों का सहारा लेना पड़ेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	30.6.21	2	1-2

'अधिक उत्पादन के लिए आधुनिक तकनीक जरूरी'

हिसार (निस) :जल संरक्षण विषय पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि सीमित संसाधनों के साथ फसलों से अधिक उत्पादन हासिल करना एक चुनौती बन गया है। इसके अलावा भूमिगत जल स्तर भी लगातार घट रहा है। इसके लिए किसानों को आधुनिक तकनीकों का सहारा लेना पड़ेगा।प्रो. काम्बोज ने कहा कि लगातार कृषि योग्य भूमि कम होती जा रही है और निरंतर मौसम में परिवर्तन हो रहे हैं। इसके अलावा आधुनिक तकनीकों की जानकारी व मौसम संबंधी पूर्वानुमान भी किसानों तक सही तरीके से नहीं पहुंच पा रहे हैं। इसलिए फसलों से उचित पैदावार हासिल करने के लिए किसानों को काफी मेहनत करनी पड़ती हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	30.6.21	2	1-2

'आधुनिक तकनीक को अपनाएं किसान'

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि सीमित संसाधनों के साथ फसलों से अधिक उत्पादन हासिल करना एक चुनौती बन गया है। इसके अलावा लगातार भूमिगत जल स्तर भी घट रहा है। इसलिए खेती के लिए किसानों को आधुनिक तकनीक को अपनाना होगा। यह बात उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र कुरुक्षेत्र में खेती में जल संरक्षण विषय पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान कही। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे ज्यादा से ज्यादा किसानों को कृषि विज्ञान केंद्रों व विश्वविद्यालय के साथ जोड़कर उन्हें नवीनतम जानकारियों से अवगत कराएं। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	30.6.21	3	7-8

अधिक उत्पादन के लिए आधुनिक तकनीक जरूरी

कृषि विज्ञान केंद्र कुरुक्षेत्र में आगंतुकों में खेती में तकनीकों की जानकारी देते एचएयू के कुलपति प्रो बीआर कांबोज। एचएयू

जागरण संवाददाता, हिसार : सीमित संसाधनों के साथ फसलों से अधिक उत्पादन हासिल करना एक चुनौती बन गया है। लगातार भूमिगत जल स्तर भी घट रहा है। इसके लिए किसानों को आधुनिक तकनीकों का सहारा लेना पड़ेगा। कृषि विज्ञान केंद्र कुरूक्षेत्र में खेती में जल संरक्षण विषय पर कार्यक्रम आयोजित हुआ। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कहा कि लगातार कृषि योग्य भूमि कम होती जा रही है और निरंतर मौसम में परिवर्तन हो रहे हैं। आधुनिक तकनीकों की जानकारी व मौसम संबंधी पूर्वानुमान भी किसानों तक सही तरीके से नहीं पहुंच पा रहे हैं। इसलिए फसलों से उचित पैदावार हासिल करने के लिए किसानों को काफी मेहनत करनी पड़ती हैं। उन्होंने विज्ञानियों से कहा कि वे विश्वविद्यालय का आइना होते हैं और किसानों तक विश्वविद्यालय की आधुनिक तकनीकों व उन्नत किस्मों की जानकारी पहुंचाना उनका नैतिक फर्ज बनता है।

किसानों के लिए जारी करें विज्ञानी सलाह

विज्ञानी समय-समय पर वैज्ञानिक सलाह भी किसानों के लिए जारी करते रहें। कुलपति ने किसानों से भी आह्वान किया कि वे बीमारियों की रोकथाम के लिए विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश किए गए कीटनाशकों का ही प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण समय की मांग है और इसके लिए किसान राज्य सरकार की योजना मेरा पानी मेरी विरासत का लाभ उठा रहे हैं। कृषि विज्ञान केंद्र के इंचार्ज डा. प्रद्युमन भट्नागर ने केंद्र में चल रहे अनुसंधान कार्यों की जानकारी दी। कुलपति ने कृषि महाविद्यालय कौल का भी दौरा किया। उन्होंने आनलाइन परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया और कालेज के सौंदर्यकरण पर कार्य के लिए प्रेरित किया। मौके पर महाविद्यालय के प्राचार्य डा. पीएस पंवार, डा. आरएस गढ़वाल, डा. मानिंद्र सिंह भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	30.6.21	2	3-7

भूमिगत जल स्तर घट रहा है, इसके लिए किसानों को आधुनिक तकनीकों का सहारा लेना पड़ेगा: वीसी

कृषि विज्ञान केंद्र कुरूक्षेत्र में जल संरक्षण विषय पर आयोजित कार्यक्रम में वीसी ने रखे विचार

भास्कर न्यूज | हिसार

सीमित संसाधनों के साथ फसलों से अधिक उत्पादन हासिल करना एक चुनौती बन गया है। इसके अलावा लगतार भूमिगत जल स्तर भी घट रहा है। इसके लिए किसानों को आधुनिक तकनीकों का सहारा लेना पड़ेगा।

ये विचार कृषि विज्ञान केंद्र कुरूक्षेत्र में खेती में जल संरक्षण विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान एचएयू के वीसी प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि लगातार कृषि योग्य भूमि कम होती जा रही है और निरंतर मौसम में परिवर्तन हो रहे हैं। इसके अलावा आधुनिक तकनीकों की जानकारी व मौसम संबंधी पूर्वानुमान भी किसानों तक सही तरीके से नहीं पहुंच पा रहे हैं। इसलिए फसलों से उचित पैदावार हासिल करने के लिए किसानों को काफी मेहनत करनी पड़ती हैं। उन्होंने कृषि विज्ञान

जल संरक्षण कार्यक्रम में बोलते वीसी प्रोफेसर बीआर काम्बोज।

केंद्रों के वैज्ञानिकों से कहा कि वे विश्वविद्यालय का आइना होते हैं और किसानों तक विश्वविद्यालय की आधुनिक तकनीकों व उन्नत किस्मों की जानकारी पहुंचाना उनका नैतिक फर्ज बनता है। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे ज्यादा से ज्यादा किसानों को कृषि विज्ञान केंद्रों व विश्वविद्यालय के साथ जोड़कर उन्हें नवीनतम जानकारियों से अवगत कराएं। साथ ही समय-समय पर किसानों के लिए जागरूकता शिविर आयोजित कर उन्हें फसलों की समय पर बिजाई, कटाई व कढ़ाई की जानकारी दें। इस दौरान उन्होंने केंद्र में पौधारोपण भी किया।

वीसी ने कहा कि वैज्ञानिक समय-समय पर वैज्ञानिक सलाह भी किसानों के लिए जारी करते रहें ताकि किसान अपनी फसल की सही से देखभाल कर सके। प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने किसानों से भी आह्वान किया कि वे बीमारियों की रोकथाम के लिए विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश किए गए कीटनाशकों का ही प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण समय की मांग है और इसके लिए किसान राज्य सरकार की योजना मेरा पानी मेरी विरासत का लाभ उठा रहे हैं। साथ ही उन्होंने किसानों से धान की सीधी बिजाई करने का भी आह्वान किया। कृषि विज्ञान केंद्र के इंचार्ज डॉ. प्रद्युमन भट्नागर ने कुलपति का स्वागत करते हुए केंद्र में चल रहे अनुसंधान कार्यों की जानकारी दी। इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक, आसपास गांवों के किसानों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। इसके अलावा कुलपति ने कृषि महाविद्यालय कौल का भी दौरा किया और वहां के वैज्ञानिकों से रूबरू होते हुए कॉलेज की गतिविधियों का जायजा लिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी.एस. पंवार, डॉ. आर.एस. गढवाल, डॉ. मानिंद्र सिंह भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अटल हिंद	29.06.2021	--	--

सीमित संसाधनों के साथ अधिक उत्पादन के लिए आधुनिक तकनीकों का सहारा जरूरी : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

अटल हिंद संवाददाता

हांसी। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि सीमित संसाधनों के साथ फसलों से अधिक उत्पादन हासिल करना एक चुनौती बन गया है। इसके अलावा लगातार भूमिगत जल स्तर भी घट रहा है। इसके लिए किसानों को आधुनिक तकनीकों का सहारा लेना पड़ेगा। ये विचार उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र कुरुक्षेत्र में खेती में जल संरक्षण विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि लगातार कृषि योग्य भूमि कम होती जा रही है और निरंतर मौसम में परिवर्तन हो रहे हैं। इसके अलावा आधुनिक तकनीकों की जानकारी व मौसम संबंधी पूर्वानुमान भी किसानों तक सही तरीके से नहीं पहुंच पा रहे हैं। इसीलिए फसलों से उचित पैदावार हासिल करने के लिए किसानों को

काफी मेहनत करनी पड़ती है।

उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों से कहा कि वे विश्वविद्यालय का आइना होते हैं और किसानों तक विश्वविद्यालय की आधुनिक तकनीकों व उनकी किस्मों की जानकारी पहुंचाना उनका नैतिक फर्ज बनता है। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे ज्यादा से ज्यादा किसानों को कृषि विज्ञान केंद्रों व विश्वविद्यालय के साथ जोड़कर उन्हें नवीनतम जानकारियों से अवगत कराएं।